अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना–

इस शोध अध्ययन का उद्देश्य है कि समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति का अध्ययन।

प्रस्तुत शोधकार्य में शोधार्थी द्वारा समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति को ज्ञात करने के लिये समावेशी शिक्षा से संबंधित कुछ कथनों को तैयार किया गया जिसके आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया गया ।

प्रस्तुत अध्याय में **t- test** व **Pearson Product Moment correlation (r)** विधियों का उपयोग कर प्रदत्तों का विश्लेषण किया गया है । इस शोध अध्ययन में कुल 7 परिकल्पनाएं की गई हैं जिसकी जाँच करने के लिये शोध समस्या के अध्ययन से निकले परिणाम की व्याख्या की गई है ।

4.2 परिकल्पना का विश्लेषण–

परिकल्पना के आधार पर प्रदत्तों का विश्लेषण किया गया जो निम्न प्रकार से है –

परिकल्पना –1

समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है ।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु **t- test** का उपयोग किया गया।

जिसका विवरण तालिका सं. 4.1 में दर्शाया गया है ।

तालिका संख्या 4.1 अशासकीय व शासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता के स्तर में भिन्नता

क्रं.	विद्यालय प्रबंधन का प्रकार	शिक्षकों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	't' मूल्य	df
1.	अशासकीय	50	98.52	10.33	2.89	98
2.	शासकीय	50	104.6	10.47		

't' मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक है।

आकृति क्रं.4,1 अशासकीय व शासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता के स्तर में भिन्नता

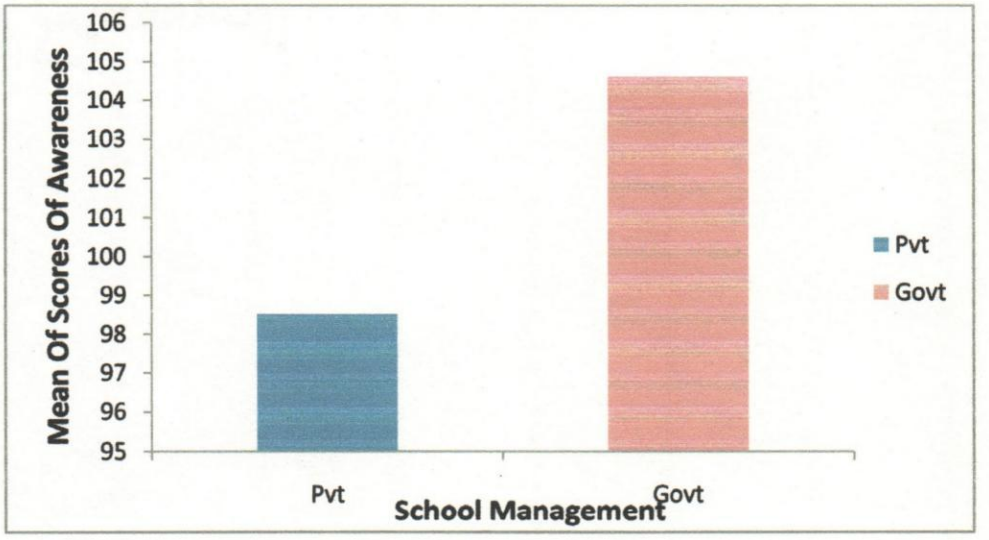

स्पष्टीकरण – तालिका सं. 4.1 से स्पष्ट होता है कि अशासकीय विद्यालय के प्रारंभिक शिक्षकों (50) की जागरूकता का मध्यमान 98.52 है, तथा प्रमाणिक

विचलन 10.33 है । शासकीय विद्यालय के प्रारंभिक शिक्षकों (50) की जागरूकता का मध्यमान 104.6 प्रमाणिक विचलन 10.47 है ।

't' का मान 2.89 है जो कि 0.05 स्तर के टेबल मूल्य 1.980 से ज्यादा है, अर्थात् सार्थक है इसलिये परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है ।

अतः समावेशी शिक्षा के प्रति शासकीय विद्यालय के प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता अशासकीय विद्यालय के प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता से अधिक है।

समावेशी शिक्षा के प्रति शासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता इसलिए कम हो सकती है इन शिक्षकों पर क्योकि अतिरिक्त जिम्मेदारी ज्यादा होने के कारण हो सकता है समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में उनकी जागरूकता कम है।

समावेशी शिक्षा के प्रति अशासकीय विद्यालयों में प्रारंभिक शिक्षको की जागरूकता इसलिये अधिक हो सकती है, क्योकि अशासकीय विद्यालयों के निष्पादन का प्रभाव विद्यालय की समाज में लोकप्रियता पर पड़ता है अर्थात् विद्यालय का परिणाम समाज में विद्यालय की लोकप्रियता को प्रभावित करता है अतः हो सकता है, समावेशी शिक्षा का क्रियान्वयन अशासकीय विद्यालय में प्रभावशाली रूप से हो रहा है।

परिकल्पना –2

समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है ।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु **t- test** का उपयोग किया गया।

जिसका विवरण तालिका सं. 4.2 में दर्शाया गया है ।

तालिका संख्या 4.2 अशासकीय व शासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति के स्तर में भिन्नता

क्रं.	विद्यालय प्रबंधन का प्रकार	शिक्षकों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	't' मूल्य	Df
1.	अशासकीय	50	104.34	12.97	3.16	98
2.	शासकीय	50	112.44	12.35		

't' मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक है।

आकृति क्रं.4.2 अशासकीय व शासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति के स्तर में भिन्नता

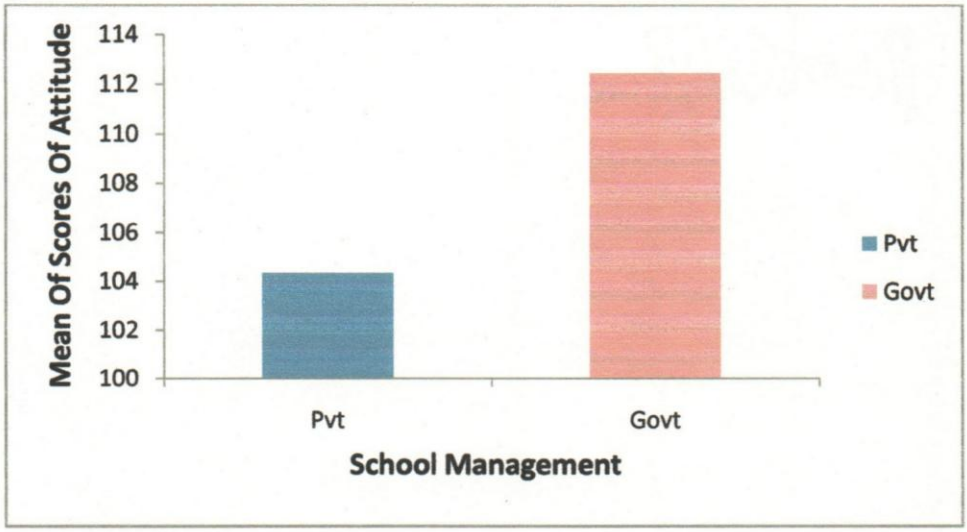

स्पष्टीकरण – तालिका सं. 4.2 से स्पष्ट होता है कि अशासकीय विद्यालय के प्रारंभिक शिक्षकों (50) की अभिवृत्ति का मध्यमान 104.34 है, तथा प्रमाणिक विचलन 12.97 है। शासकीय विद्यालय के प्रारंभिक शिक्षकों (50) की अभिवृत्ति का मध्यमान 112.44 तथा प्रमाणिक विचलन 12.35 है ।

't' का मान 3.16 हैं जो कि 0.05 स्तर के टेबल मूल्य 1.980 से ज्यादा हैं, अर्थात् सार्थक है इसलिये परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है । अतः समावेशी शिक्षा के प्रति शासकीय विद्यालय के प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति अशासकीय विद्यालय के प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति से अधिक है।

समावेशी शिक्षा के प्रति शासकीय विद्यालयो के प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति कम है क्योकि वह समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूक नही है।

समावेशी शिक्षा के प्रति अशासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षको की सकारात्मक अभिवृत्ति अधिक है, क्योकि वह समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूक है।

परिकल्पना –3

समावेशी शिक्षा के प्रति लिंग के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है ।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु **t- test** का उपयोग किया गया।

जिसका विवरण तालिका सं. 4.3 में दर्शाया गया है ।

तालिका संख्या 4.3 महिला व पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता के स्तर में भिन्नता

क्रं.	लिंग	शिक्षकों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	't' मूल्य	df
1.	महिला	87	102.31	10.34	1.49	98
2.	पुरूष	13	97.53	12.40		

't' मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक नही है।

आकृति क्रं.4.3 महिला व पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता के स्तर में भिन्नता

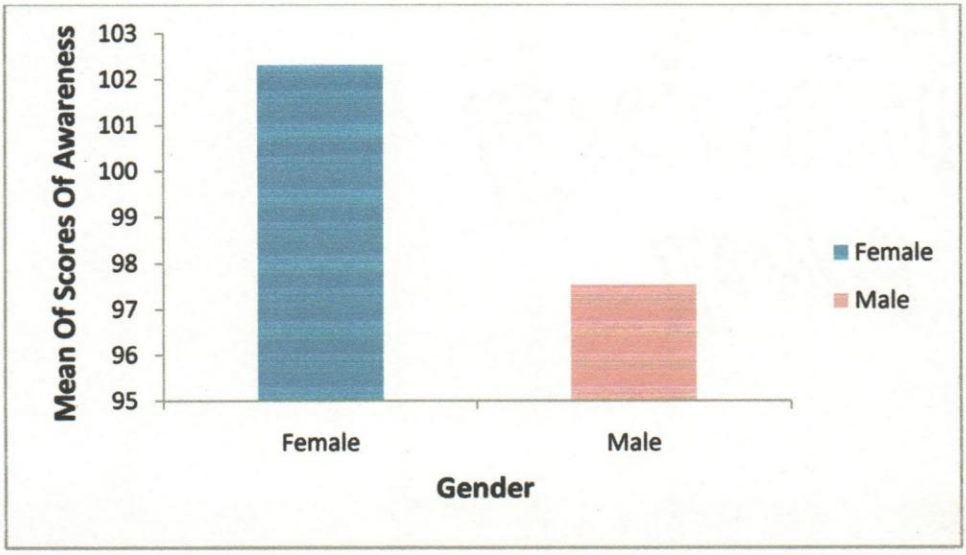

स्पष्टीकरण – तालिका सं. 4.3 से स्पष्ट होता है कि महिला प्रारंभिक शिक्षकों (87) की जागरूकता का मध्यमान 102.31 है, तथा प्रमाणिक विचलन 10.34 है । पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों (13) की जागरूकता का मध्यमान 97.53 तथा प्रमाणिक विचलन 12.40 है ।

't' का मान 1.493 है जो कि 0.05 स्तर के टेबल मूल्य 1.980 से ज्यादा है,अर्थात् सार्थक है ।

यद्यपि महिला प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता का मध्यमान पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता से अधिक हैं, लेकिन सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर नहीं हैं।

अतः लिंग के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता पर कोई प्रभाव नहीं है।

परिकल्पना –4

समावेशी शिक्षा के प्रति लिंग के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है ।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु **t- test** का उपयोग किया गया।

जिसका विवरण तालिका सं. 4.4 में दर्शाया गया है ।

तालिका संख्या 4.4 महिला व पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति के स्तर में भिन्नता

क्रं.	लिंग	शिक्षकों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	't' मूल्य	df
1.	महिला	87	107.88	13.75	0.97	98
2.	पुरूष	13	111.76	9.07		

't' मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक नही है।

आकृति क्रं.4.4 महिला व पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति के स्तर में भिन्नता

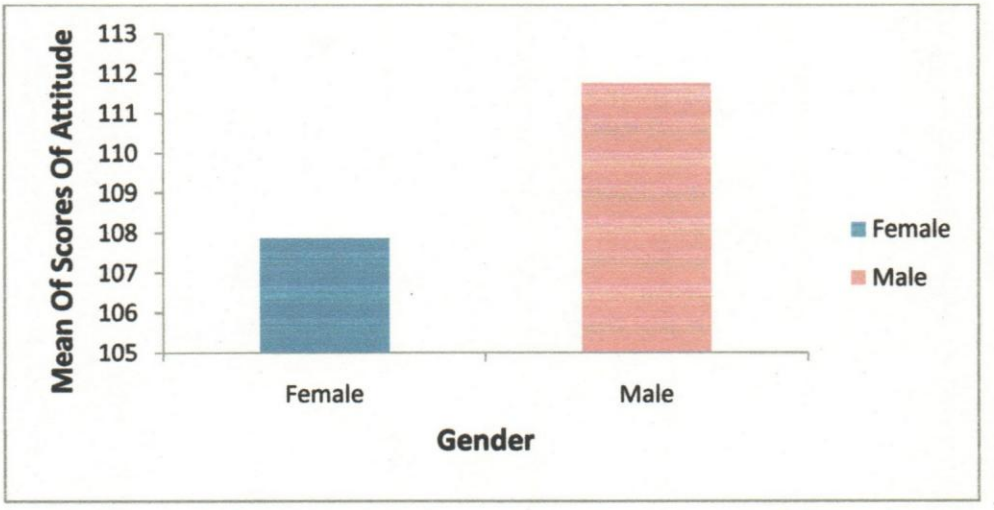

स्पष्टीकरण – तालिका सं. 4.4 से स्पष्ट होता है कि महिला प्रारंभिक शिक्षकों (87) की अभिवृत्ति का मध्यमान 107.88 है, तथा प्रमाणिक विचलन 13.75 है ।

पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों (13) की अभिवृत्ति का मध्यमान 111.76 तथा प्रमाणिक विचलन 9.07है।

't' का मान 0.976 हैं जो कि 0.05 स्तर के टेबल मूल्य 1.980 से ज्यादा है, अर्थात् सार्थक है ।

यद्यपि पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति का मध्यमान महिला प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति से अधिक है, लेकिन सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर नहीं है ।

अतः लिंग के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं है।

परिकल्पना –5

समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है ।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु **t- test** का उपयोग किया गया।

जिसका विवरण तालिका सं. 4.5 में दर्शाया गया है ।

तालिका संख्या 4.5 1–10 वर्ष व 10 वर्ष से ऊपर व प्रारंभिक शिक्षकों की की जागरूकता के स्तर में भिन्नता

क्रं.	शिक्षण अनुभव (वर्ष में)	शिक्षकों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	't' मूल्य	df
1.	1–10 वर्ष	87	101.23	10.52	0.36	98
2.	10 वर्ष से ऊपर	13	102.04	11.26		

't' मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक नही है

आकृति क्रं. 4.5 1–10 वर्ष व 10 वर्ष से ऊपर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता के स्तर में भिन्नता

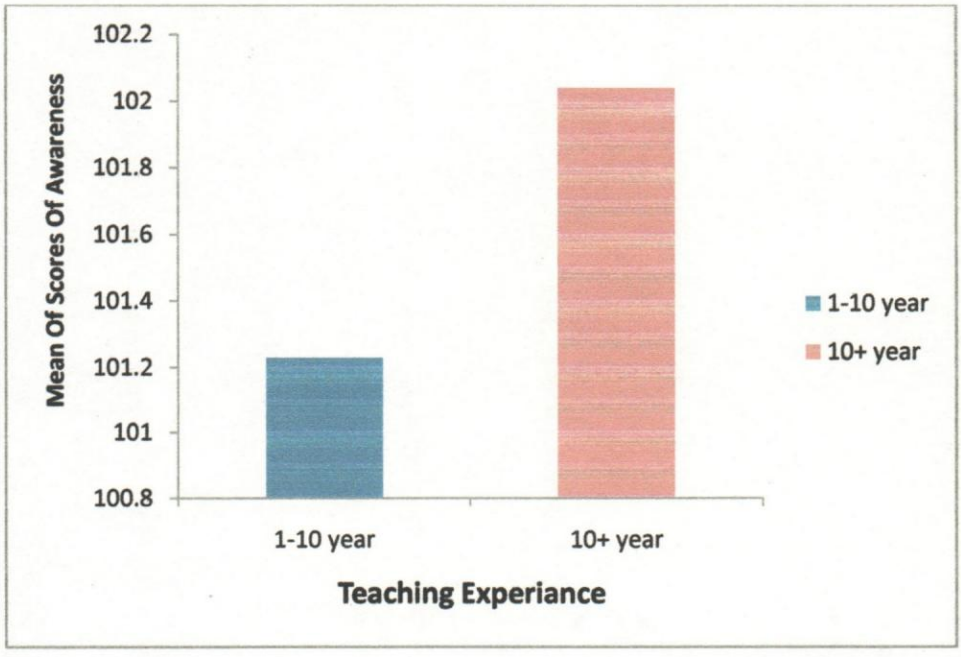

स्पष्टीकरण – तालिका सं. 4.5 से स्पष्ट होता है कि 1–10 वर्ष अनुभवी प्रारंभिक शिक्षकों (57) की जागरूकता का मध्यमान 101.23 है, तथा प्रमाणिक विचलन 10.52 है । 10 वर्ष से ऊपर अनुभवी प्रारंभिक

शिक्षकों (41) की जागरूकता का मध्यमान 102.04 तथा प्रमाणिक विचलन 11.266 है ।

't' का मान 0.36 है जो कि 0.05 स्तर के टेबल मूल्य 1.980 से ज्यादा है अर्थात् सार्थक है ।

यद्यपि 10 वर्ष से उपर अनुभवी प्रारंभिक शिक्षकों की जागरुकता का मध्यमान 1–10 अनुभवी प्रारंभिक शिक्षकों की जागरुकता से अधिक है, लेकिन सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर नहीं है ।

अतः शिक्षण अनुभव के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरुकता पर कोई प्रभाव नहीं है।

परिकल्पना –6

समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु **t- test** का उपयोग किया गया।

जिसका विवरण तालिका सं. 4.6 में दर्शाया गया है।

तालिका संख्या 4.6 1–10 वर्ष व 10 वर्ष से ऊपर प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति के स्तर में भिन्नता

क्रं.	शिक्षण अनुभव (वर्ष में)	शिक्षकों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	't' मूल्य	df
1.	1–10 वर्ष	59	109.30	14.28	0.81	98
2.	10 वर्ष से ऊपर	41	107.07	11.62		

't' मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक नही है

आकृति क्रं. 4,6 1–10 वर्ष व 10 वर्ष से ऊपर प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति के स्तर में भिन्नता

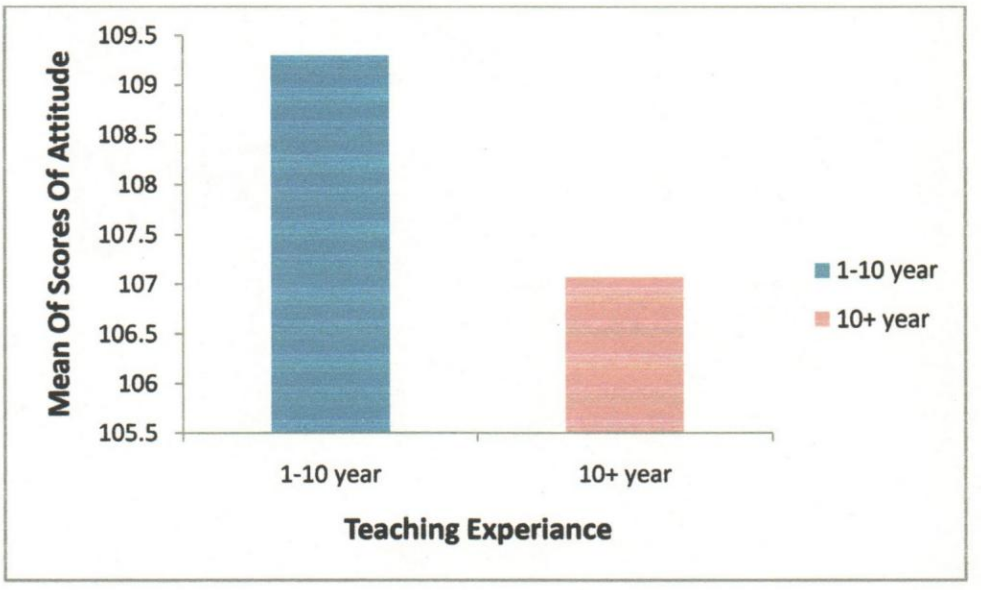

स्पष्टीकरण – तालिका सं. 4.6 से स्पष्ट होता है कि 1–10 वर्ष अनुभवी प्रारंभिक शिक्षकों (59) अभिवृत्ति का मध्यमान 109.30 है, तथा प्रमाणिक विचलन 14.28 है।

10 वर्ष से ऊपर अनुभवी प्रारंभिक शिक्षकों (41) की अभिवृत्ति का मध्यमान 107.07 तथा प्रमाणिक विचलन 11.62 है।

't' का मान 0.81 है जो कि 0.05 स्तर से टेबल मूल्य 1.980 से कम है, अर्थात् सार्थक नही है। इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

यद्यपि 1–10 वर्ष से उपर अनुभवी प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति का मध्यमान 10वर्ष से उपर अनुभवी प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति के मध्यमान से अधिक है,लेकिन सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर नहीं है ।

अतः शिक्षण अनुभव के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं है।

समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरुकता और अभिवृत्ति में सार्थक सहंसबध नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु Pearson Product Moment correlation (r) का उपयोग किया गया और इसका विवरण तालिका सं. 4.2.7 में दर्शाया गया हैं।

तालिका संख्या 4.7 प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति में सह संबंध

चर	शिक्षकों की संख्या	df	'r'
जागरुकता	100	98	0.34
अभिवृत्ति	100		

'r' मुल्य 0.05 स्तर पर सार्थक नही है।

स्पष्टीकरण – तालिका सं. 4.7 से स्पष्ट होता है कि r का मूल्य 0.34 है जो कि 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

अतः समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति और जागरुकता में सार्थक सहसंबंध नहीं है।